संज्ञा

PRESENTED BY:

AMIT KUMAR PANDEY

संज्ञा की परिभाषा

जिस शब्द से किसी विशेष वस्तु अथवा व्यक्ति के नाम का बोध होता है, उस शब्द को 'संज्ञा' कहते है ।

- आशा गीत गाती है ।
- गंगा भारत की सबसे बड़ी नदी है ।
- मेरा देश महान ।
- आकाश स्वच्छ है ।
- गाँधीजी अहिंसा के पुजारी थे ।
- नीम गुणकारी पेड़ है ।
- गाय दूध देती है ।
- सोना कीमती धातु है ।
- एवरेस्ट की चढ़ाई कठिन है ।
- सैनिक देश की रक्षा करते हैं ।

उपर्युक्त वाक्यो में रेखांकित शब्द आशा, गंगा, देश, आकाश, गाँधीजी, नीम, गाय, सोना, चढ़ाई, सैनिक आदि किसी खास व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, भाव या समूह का निर्देश करते हैं ।

संज्ञा के भेद

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(2) जातिवाचक संज्ञा
(3) भाववाचक संज्ञा
(4) समूहवाचक संज्ञा
(5) द्रव्यवाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस शब्द से किसी वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं ।

किसी खास व्यक्ति, वस्तु, प्राणी या स्थान को सूचित करनेवाली संज्ञा को 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं ।

उदाहरण-

- शेरु वफादार कुत्ता है ।
- मयंक दौड़ में प्रथम आया ।
- भारत लोकशाही देश है ।
- हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है ।
- गंगा पवित्र नदी है ।
- दिल्ही भारत की राजधानी है ।
- पंजाबी खाना जग विख्यात है ।
- चाँदनी चौक सबको पता है ।
- प्लासी का युद्ध अंग्रेज़ो ने जीता था ।
- श्रावण मास में शिवजी की पूजा की जाती है ।

उपर्युक्त उदाहरणो में,
शेरु, मयंक, भारत, हिन्दी, गंगा, दिल्ही, पंजाबी, चाँदनी चौक, प्लासी का युद्ध, श्रावण मास कहने पर किसी एक खास प्राणी, व्यक्ति, देश, भाषा, नदी, स्थान, चौक, युद्ध और मास का ही बोध होता है ।

जातिवाचक संज्ञा

⇒ जिन संज्ञाओ से एक ही प्रकार की वस्तुओ अथवा **व्यक्ति** का बोध हो उन्हें 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं ।

⇒ जो संज्ञा किसी वस्तु या प्राणी की जाति का बोध कराती है उन्हे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं ।

उदाहरण –

- मनुष्य स्वार्थी है ।
- किसान हमारा अन्नदाता है ।
- कुत्ता वफादार प्राणी है ।
- सैनिक देश की रक्षा करता है ।
- पेड़ प्रकृति का रक्षक है ।
- नदी हमारी लोकमाता है ।
- बहन रक्षाबंधन के दिन भाई को राखी बाँधूती है ।
- गाँव में कच्चे घर देखने को मिलते है ।
- पुलिस जनता की रक्षा के लिए है ।
- मोर नाचते हुए सुंदर लगता है ।

उपर्युक्त उदाहरणो में रेखांकित शब्दु मनुष्य, किसान, कुत्ता, सैनिक, पेड़, नदी, बहन, भाई, गाँव, घर, पुलिस, मोर आदि शब्दु संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं । जैसे कि- 'मनुष्य' कहने से किसी एक मनुष्य का नही बल्कि पूरी मनुष्य जाति का बोध होता है । वैसे ही किसान कहने से सभी किसानो का, कुत्ता कहने से सभी प्रकार के कुत्तो का, सैनिक कहने से सभी सैनिको का बोध होता है ।

भाववाचक संज्ञा

⇒ "जिस संज्ञा शब्द से वस्तु के गुण या धर्म, दशा अथवा व्यापार का बोध होता है, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते है ।"

⇒ "जो शब्द किसी विचार, भाव, गुण, दोष, स्वभाव आदि को प्रकट करते हैं, उन्हें 'भाव वाचक संज्ञा' कहते हैं ।"

उदाहरण –

- घर की सजावट देखकर मेहमान खुश हो गए ।
- बाढ़ का बहाव गाँव की तरफ था ।
- पुलिस की मार चोर न सह सका ।
- माँ ने गोपाल को प्रेम से खाना खिलाया ।
- राम और श्याम की मित्रता पूरे गाँव मे प्रसिध्ध थी ।
- बीरबल की चतुराई से शहंशाह अकबर प्रभावित थे ।
- खाई की गहराई देखकर विवेक डर गया ।
- शिक्षक ने अजय को साबासी दी ।
- दोपहर की गर्मी से संजय को लू लग गई ।
- राधा की वाणी में मिठास थी ।

उपर्युक्त उदाहरणो में रेखांकित शब्द सजावट, बहाव, मार, प्रेम, मित्रता, चतुराई, गहराई, डर, साबासी, गर्मी, मिठास आदि शब्दो से किसी विचार, भाव, गुण, दोष, स्वभाव आदि का बोध होता है, ऐसे शब्दो को 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं ।

समूहवाचक संज्ञा

⇒ **"जिन संज्ञा शब्दो से व्यक्ति अथवा वस्तु के समूह का बोध होता हो, उन्हे 'समूहवाचक संज्ञा' कहते है ।"**

उदाहरण –

- कुंभ का मेला विश्व मे प्रसिद्ध है ।
- भारतीय सेना ने आतंकवादियों को ढेर कर दिया ।
- भीड़ ने पुलिस पर पथ्थर फैंके ।
- मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित किया ।
- मनाहर पुस्तकालय गया है ।

उपर्युक्त उदाहरणो में रेखांकित शब्द मेला, सेना, भीड़, सभा, पुस्तकालय आदि शब्दो से हमें किसी व्यक्ति अथवा वस्तु के समूह का बोध होता है, जिसे 'समूहवाचक संज्ञा' कहते है ।

द्रव्यवाचक संज्ञा

⇒ **"जिस संज्ञा शब्द से नाप-तौलवाली वस्तुओ का बोध होता है, उसे 'द्रव्यवाचक संज्ञा' कहते है।"**

उदाहरण –

- सोना किमती धातु है ।
- लोहा लोहे को काटता है ।
- गुब्बारे में गैस भरी हुई है ।
- जय बाज़ार से सब्जि लाया ।
- मथुरा के पेड़े स्वादिष्ट होते हैं ।
- अनिल रोज़ दूध पीता है ।
- गाय का घी सेहत के लिए अच्छा होता है ।

उपर्युक्त उदाहरणो में रेखांकित शब्द सोना, लोहा, गैस, सब्जि, पेड़े, दूध, धी आदि से हमें ऐसी वस्तुओ का बोध होता है जिसका हम वज़न कर सके, ऐसे शब्दो का समावेश द्रव्यवाचक संज्ञा में होता है ।

धन्यवाद